#7YearsOfSeva

नीली क्रांति को प्रोत्साहन

my GOV
मेरी सरकार

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना
के जरिए मत्स्य पालन क्षेत्र का दोहन

- PMMSY को पारिस्थितिक रूप से स्वस्थ, आर्थिक रूप से व्यवहार्य और सामाजिक रूप से समावेशी तरीके से मत्स्य पालन क्षेत्र की क्षमता का उपयोग करके नीली क्रांति लाने के लिए शुरू किया गया था

- आत्मनिर्भर भारत पैकेज के हिस्से के रूप में, केंद्र ने मई 2020 में PMMSY में ₹20,050 करोड़ की राशि के निवेश को मंजूरी दी

- 2756.86 करोड़ प्रस्तावों को मंजूरी दी गई और अब तक 34 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को कवर किया गया है

- 8,00,000 (लगभग) प्रत्याशित रोजगार और लाभार्थी को मिला लाभ

#7YearsOfSeva

नीली क्रांति को प्रोत्साहन

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना
के जरिए मत्स्य क्षेत्र का विकास

मछुआरों का कल्याण

- मछली पकड़ने पर प्रतिबंध/लीन अवधि के दौरान मत्स्य संसाधनों के संरक्षण के लिए 1,34,733 मछुआरों के परिवारों के लिए आजीविका और पोषण संबंधी सहायता
- मछुआरों के लिए 1,956 रिप्लेसमेंट बोट और जाल
- 31 एक्सटेंशन और सहायता सेवाएं (मत्स्य सेवा केंद्र)

मात्स्यिकी इंफ्रास्ट्रक्चर

- मत्स्य परिवहन सुविधाओं की 7,238 इकाईयां स्वीकृत
- मछली खुदरा बाजारों की 626 इकाइयों और 46 मूल्य वर्धित उद्यमों को अब तक स्वीकृत किया गया

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना
के जरिए मत्स्य क्षेत्र का विकास

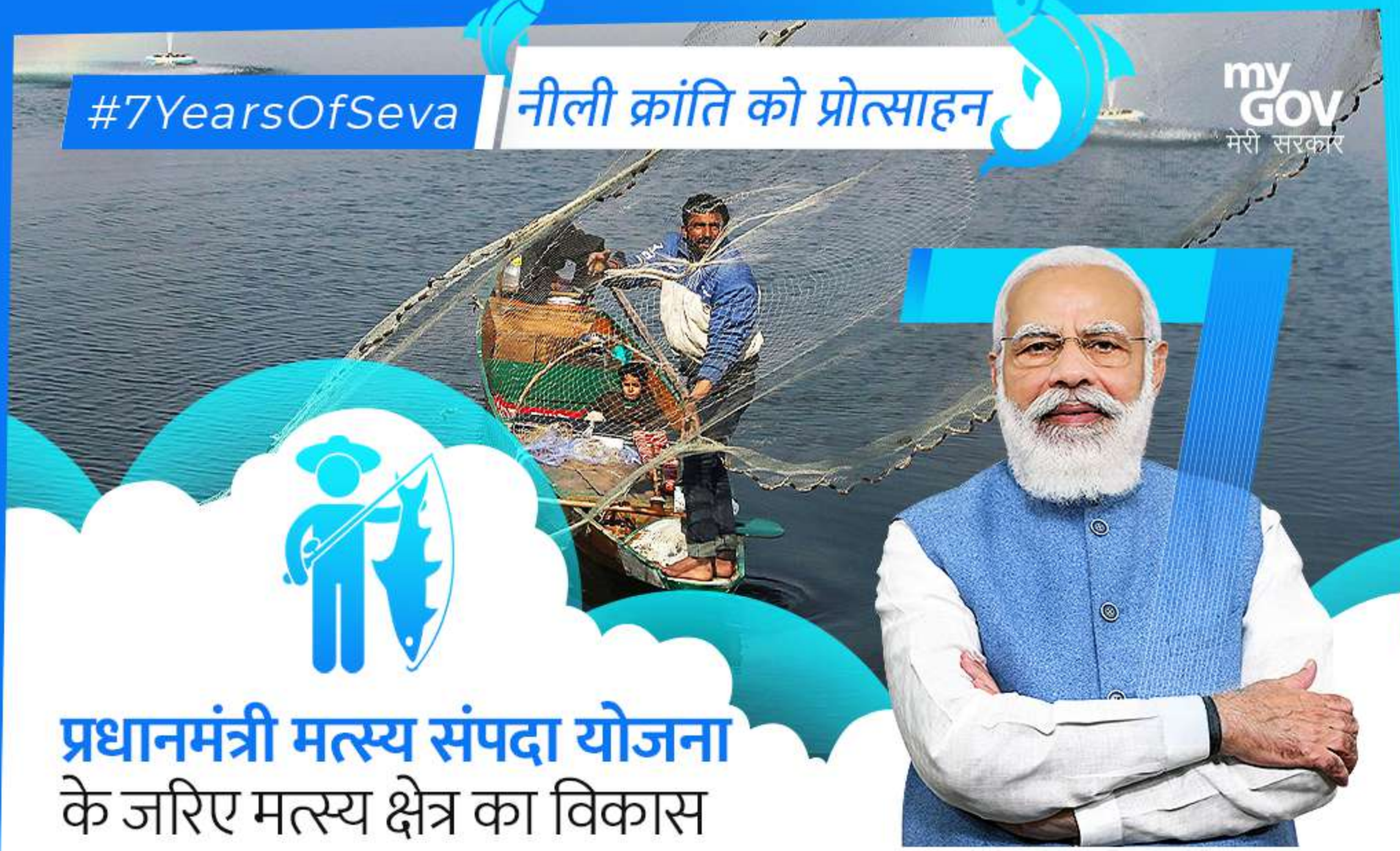

पूर्वोत्तर क्षेत्रों में विकास

- केंद्र के हिस्से के ₹143.74 करोड़ की राशि के साथ ₹278.97 करोड़ की कुल लागत वाली परियोजना को स्वीकृति

जलीय स्वास्थ्य प्रबंधन

- 9 रोग निदान केंद्र और गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशालाओं को मंजूरी
- 17 मोबाइल सेंटर और टेस्टिंग लैब को मंजूरी

अंतर्देशीय मत्स्य पालन

- अंतर्देशीय एक्वाकल्चर के तहत 6462.55 हेक्टेयर तालाब क्षेत्र को स्वीकृति
- 1,033 बायोफ्लॉक यूनिट्स और 1,553 रिसर्कुलेटरी एक्वा कल्चर सिस्टम को मंजूरी